आईआईटी मद्रास चौथी बार देश में नंबर वन
आईआईएससी बेंगलुरू को मिला दूसरा स्थान

अनिरुद्ध शर्मा/दीपक आनंद | नई दिल्ली/जयपुर

नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क की ओवरऑल कैटेगरी में आईआईटी मद्रास लगातार चौथे साल पहले स्थान पर है। आईआईएससी बेंगलुरू दूसरे और आईआईटी बॉम्बे तीसरे नंबर पर है। पहले 10 संस्थानों में 7 आईआईटी हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को 11 श्रेणियों- ओवरऑल, यूनिवर्सिटी, कॉलेज, रिसर्च इंस्टीट्यूट, इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, मेडिकल, फार्मेसी, डेंटल, लॉ और आर्किटेक्चर में नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) की रैंकिंग जारी की। संस्थानों का आकलन टीचिंग, लर्निंग एंड रिसोर्स, रिसर्च एंड प्रोफेशनल प्रैक्टिस, ग्रेजुएशन आउटकम, आउटरीच एंड इन्क्लूसिविटी और परसेप्शन के आधार पर हुआ। इस बार टॉप-10 में दिल्ली आईआईटी, दिल्ली एम्स और जेएनयू शामिल हैं। जेएनयू 2021 की तुलना में एक रैंक खिसककर 10वें पायदान पर है। बीएचयू 10वीं से 11वीं, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी 18वीं से 19वीं पर दिल्ली यूनिवर्सिटी 19वीं से खिसककर 23वीं रैंक पर पहुंच गया। शेष | पेज 7

मैनेजमेंट में आईआईएम अहमदाबाद अव्वल

मैनेजमेंट कैटेगिरी में आईआईएम अहमदाबाद और लॉ में एनएलयू बेंगलुरु टॉप पर है। मेडिकल में एम्स दिल्ली, रिसर्च और यूनिवर्सिटीज कैटेगिरी में आईआईएससी बेंगलुरु टॉप पर रहा। एक भी आईआईएम और एनएलयू टॉप टेन में नहीं है।

भास्कर तत्काल

छत्तीसगढ़ का रविवि 150 में भी नहीं

रायपुर | प्रदेश की ए ग्रेड यूनिवर्सिटी रविवि, इस बार भी देश के टॉप-150 संस्थानों के बीच जगह बनाने में नाकाम रही है। नेशनल रैंकिंग में फिर रविवि का प्रदर्शन कमजोर रहा है। शुक्रवार को मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2022 की लिस्ट जारी की गई। इसमें रविवि को रैंक बैंड 151-200 रखा गया है। जबकि राजधानी के एक निजी विश्वविद्यालय को नेशनल रैंकिंग में रैंक बैंड 101-150 में रखा गया है। पिछली बार भी विवि की रैंकिंग यही थी। कुछ साल पहले नेशनल रैंकिंग की शुरुआत हुई। पहले साल विवि का प्रदर्शन अच्छा था। इसे टॉप-100 में जगह मिली थी। इसके बाद विवि का प्रदर्शन लगातार कमजोर रहा है। कुछ साल पहले, रैंक बैंड 101-150 में था। अब 151-200 की लिस्ट में आ गया है। जानकारों का कहना है कि राज्य में पढ़ाई, इंफ्रास्ट्रक्चर, रिसर्च और बेहतर सुविधाएं की बात विवि से की जाती है। शेष | पेज 7

जैकेट व पेज 1 के शेष

आईआईटी मद्रास चौथी बार देश में नंबर वन...

अगले वर्ष से उच्च शिक्षण संस्थानों की रैंकिंग अनिवार्य : अगले वर्ष से देश के सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को रैंकिंग प्रक्रिया में हिस्सा लेना ही होगा। इस बार 7वीं इंडिया रैंकिंग प्रक्रिया में 7 हजार संस्थान शामिल हुए। अगले वर्ष से नैक व एनबीए से मान्यता एकीकृत एक्रिडिटेशन फ्रेमवर्क से मिलेगी। अब तक एक्रिडिटेशन चयनात्मक है। नैक के पास 50 हजार कॉलेजों में से 8 हजार ही एक्रिडिटेशन के लिए आते हैं। उनमें भी 5 हजार कॉलेज प्राइवेट व एडेड हैं।

आईआईटी मद्रास को 90 से अधिक अंक : रैंकिंग पांच पैरामीटर्स के 16 सब पैरामीटर्स पर की गई है। टॉप 10 संस्थानों के आंकड़े बताते हैं कि केवल आईआईटी मद्रास ही रिसर्च एंड प्रोफेशनल प्रैक्टिस के सभी चार पैरामीटर्स को मिलाकर 100 से 91.98 अंक हासिल कर पाया। रिसर्च में टॉप टेन संस्थानों में सबसे पिछड़ा जेएनयू रहा, जिसे केवल 45.56 अंक मिले। परसेप्शन में आईआईएससी बेंगलुरू को 100 और आईआईटी मद्रास को 98.75 अंक मिले हैं।

यूनिवर्सिटी: आईआईएससी बेंगलुरू सातवीं बार टॉप पर: बेंगलुरू का इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस 2016 में की गई पहली रैंकिंग से अब तक लगातार पहले पायदान है। दिल्ली विवि की रैंकिंग भले गिरी हो लेकिन देश के टॉप-25 कॉलेजों में दिल्ली विवि के 14 कॉलेज हैं। वहीं, तमिलनाडु के 6, प. बंगाल के 4 और केरल का 1 है। डीयू का मिरांडा हाउस कॉलेज 2017 से अब तक लगातार छह वर्षों से शीर्ष पर है।

छत्तीसगढ़ का रविवि 150 में भी नहीं

लेकिन नेशनल रैंकिंग में फिर रविवि कमजोर साबित हुआ है। जानकारों का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में रविवि में शिक्षकों की संख्या कम हुई है। जो रिटायर हुए हैं उनकी जगह नई वैकेंसी नहीं हुई है। कई विभाग अतिथि शिक्षकों के भरोसे चल रहे हैं। यह भी रैंकिंग कम होने की एक वजह है।

रविवि के फार्मेसी संस्थान का 78वां रैंक : रविवि के फार्मेसी संस्थान को नेशनल रैंकिंग, 2022 में 78वां रैंक मिला है। इसी तरह नेशनल रैंकिंग में गुरु घासीदास यूनिवर्सिटी बिलासपुर के फार्मेसी संस्थान को 43 रैंक मिला है। पिछली बार के 42वें रैंक पर था।

आईआईएम 14वें और एनआईटी को 65वां स्थान : मैनेजमेंट कैटेगरी की नेशनल रैंकिंग 2022 में आईआईएम नया रायपुर को इस बार 14वां स्थान मिला है। पिछली बार मुकाबले रैंकिंग में सुधार हुआ है। पिछली बार आईआईएम को 15वां रैंक मिला था। इसी तरह इंजीनियरिंग कैटेगरी में एनआईटी रायपुर को इस बार 65वां रैंक मिला है।

Dainik bhasker, 16th July 2022,p. 1